भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3178

09 अगस्त, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

आयुर्स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत मोबाइल क्लीनिक

3178. श्री बी. के. पार्थसारथी:
श्री केसिनेनी शिवनाथ:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) मोबाइल क्लीनिक स्थापित करने के लिए आयुर्वेद स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत आवंटित और उपयोग की गई धनराशि का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) विभिन्न जन स्वास्थ्य मुद्दों का समाधान करने में आयुष पद्धतियों की प्रभावोत्पादकता के प्रलेखन का ब्यौरा क्या है; और

(ग) आन्ध्र प्रदेश सहित देश के दूरस्थ और जनजातीय क्षेत्रों में आयुष उपचारों के लिए स्थापित मोबाइल क्लीनिकों का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार और जिला-वार ब्यौरा कया है?

उत्तर

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क): आयुष मंत्रालय, वित्तीय वर्ष 2021-22 से आयुर्स्वास्थ्य योजना नामक एक केंद्रीय क्षेत्र योजना कार्यान्वित कर रहा है। इस योजना के 02 घटक हैं अर्थात (**i**) आयुष एवं जन-स्वास्थ्य (**ii**) उत्कृष्टता केंद्र (सीओई)। इस योजना के अंतर्गत, निधियां राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार आबंटित नहीं की जाती हैं। योजना के आयुष एवं जन-स्वास्थ्य घटक में दूरदराज तथा जनजातीय क्षेत्रों में आयुष उपचार हेतु मोबाइल क्लीनिक का प्रावधान है। तथापि, मोबाइल स्वास्थ्य क्लीनिक स्थापित करने के लिए विशेष रूप से निधियां आबंटित नहीं की जाती हैं। योजना के विस्तृत दिशानिर्देश मंत्रालय की वेबसाइट (**www.ayush.gov.in**) पर उपलब्ध हैं।

(ख): आयुष मंत्रालय के अधीन अनुसंधान परिषदें विभिन्न जन-स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों के समाधान में आयुष पद्धतियों की प्रभावकारिता का प्रलेखन कर रही हैं। जन-स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों में आयुष पद्धति की प्रभावकारिता के प्रलेखन के ब्यौरे **संलग्नक** में दिए गए हैं।

(ग): इस मंत्रालय के अधीन केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद द्वारा आन्ध्र प्रदेश के कुरनूल जिले में एक मोबाइल क्लीनिक स्थापित किया गया है।

*****

संलग्नक

जन-स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों में आयुष पद्धति की प्रभावकारिता के प्रलेखन के ब्यौरे निम्नानुसार हैं:

अनुसंधान परिषद का नाम	**ब्यौरे**
केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद	केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद ने "जन स्वास्थ्य देखभाल मुद्दों" से संबंधित कुल **31** अनुसंधान प्रकाशनों को तकनीकी रिपोर्टों, मोनोग्राफों, पुस्तकों और अनुसंधान लेखों के रूप में प्रकाशित किया है। इनमें से **28** ऑनलाइन उपलब्ध हैं, और **3** हार्ड कॉपी में उपलब्ध हैं। प्रकाशन **https://ccras.nic.in/research-journals/** पर उपलब्ध हैं।
केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद	केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद यूनानी भेषजसंहिता/शास्त्रीय फार्मूलेशनों की सुरक्षा और प्रभावकारिता का प्रलेखन कर रही है। वैज्ञानिक पत्रिकाओं में शोध पत्रों के प्रकाशन के अलावा, परिषद द्वारा अब तक 320 से अधिक तकनीकी रिपोर्ट/मोनोग्राफ/सफलताओं के ब्यौरे प्रकाशित किए गए हैं।
केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद	केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद ने अब तक विभिन्न वैज्ञानिक पत्रिकाओं में 522 शोध लेख और अन्य वैज्ञानिक पुस्तकें, मोनोग्राफ आदि भी प्रकाशित किए हैं। सीसीआरएच के प्रकाशनों के ब्यौरे **https://www.ccrhindia.nic.in/index1.aspx?lsid=282&lev=1&lid=219&Regid=0&langid=1** वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।
केंद्रीय सिद्ध अनुसंधान परिषद	केन्द्रीय सिद्ध अनुसंधान परिषद (सीसीआरएस) का अनुसंधान कार्यक्रम मुख्य रूप से नैदानिक अनुसंधान पर केन्द्रित है जिसमें सिद्ध औषधियों की सुरक्षा एवं प्रभावकारिता अध्ययन, मौलिक सिद्धांतों का सत्यापन, औषधि मानकीकरण एवं गुणवत्ता नियंत्रण, औषधीय पादपों का सर्वेक्षण और कृषि तथा साहित्यिक अनुसंधान शामिल हैं। सीसीआरएस द्वारा 54 पुस्तकें और 755 वैज्ञानिक शोध लेख प्रकाशित किए गए हैं। **https://siddhacouncil.com/ccrs/publications/** **https://siddhacouncil.com/ccrs/covid-19-publications/**